संख्या–1621/पांच–5–2020

प्रेषक,

अमित मोहन प्रसाद,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. **समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तर प्रदेश।**
2. **समस्त, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर प्रदेश।**

चिकित्सा अनुभाग–5 **लखनऊ, दिनांक : 06 अगस्त, 2020**

विषयः–कोविड–19 के संक्रमण से बचाव एवं उपचार हेतु Ivermectin (Tab) औषधि का प्रयोग किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

दिनांक 04.08.2020 को महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उ0प्र0 की अध्यक्षता में तकनीकी विशेषज्ञों की एक महत्वपूर्ण बैठक कोविड–19 के संक्रमण के उपचार एवं बचाव हेतु Ivermectin (Tab) की भूमिका के सम्बन्ध में आयोजित की गई थी। बैठक का कार्यवृत्त संलग्न किया जा रहा है।

उक्त बैठक के क्रम में दिनांक 05.08.2020 को महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के द्वरा कोविड–19 के संक्रमण से बचाव एवं उपचार के सम्बन्ध में Ivermection (Tab) के प्रयोग किये जाने पर निम्नवत् संस्तुति प्रेषित की गयी है:–

1. Prophylaxis in contacts :- पुष्ट रोगी के सम्पर्क में आये व्यक्तियों (contacts) में रोग के सम्भावित संक्रमण से बचाव हेतु 200µg./Kg Body Weight की दर से पहले व सातवें दिन, रात्रि भोजन के 02 घण्टे उपरान्त व्यस्क व्यक्ति में औसतन 12mg. औषधि प्रदान की जानी चाहिए।

2. For Prophylaxis in health care workers :- कोविड–19 के उपचार एवं नियंत्रण में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों में संक्रमण से बचाव हेतु 200µg./Kg Body Weight की दर से पहले, सातवें व 30 वें दिन तथा आवृत्ति क्रम में प्रति माह में एक बार Ivermectin प्रयोग की जानी चाहिए।

3. For treatment of covid Positive :- उपचार हेतु कोविड–19 Asymptomatic o Mild Symptomatic पुष्ट रोगियों में Ivermectin को 200µg./Kg Body Weight पर प्रथम 03 दिन तक रात्रि में एक बार भोजन के 02 घण्टे उपरान्त व्यस्क व्यक्ति में औसतन 12mg. औषधि प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही डॉक्सीसाइक्लीन 100µg. औषधि दिन में 02 बार 05 दिन तक देनी चाहिये।

नोटः–

(1) Tab. Ivermectin गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 02 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नहीं दी जानी है।

(2) Tab. Doxycyclin गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नहीं दी जानी है।

तत्क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उपरोक्त संस्तुतियों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

6.8.20

(अमित मोहन प्रसाद)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या–1621(1)/पांच–5/2020, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
4. निदेशक, संचारी रोग, उ0प्र0, लखनऊ।
5. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उत्तर प्रदेश।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

06/8/20

(शत्रुन्जय कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

06/8/20
2nd &
6/8/20

दिनांक 04.08.2020 को महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0 की अध्यक्षता में कोविड–19 के संक्रमण के उपचार एवं बचाव में आईवरमेक्टिन टेबलेट की भूमिका के सम्बन्ध में आहूत बैठक का कार्यवृत्त

आज दिनांक 04.08.2020 को स्वास्थ्य भवन, लखनऊ में महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डा0 (मेजर) डी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में कोविड–19 के संक्रमण के उपचार एवं बचाव में आईवरमेक्टिन औषधि के उपयोग की भूमिका के सम्बन्ध में चिकित्सकीय विशेषज्ञो की एक बैठक आहूत की गई, जिसमें निम्नलिखित द्वारा प्रतिभाग किया गया:–

1. डा0 राजेन्द्र कपूर, निदेशक, संचारी रोग/वी0बी0डी0, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
2. डा0 ज्योत्सना पन्त, निदेशक (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
3. डा0 पी0के0 बंसल, निदेशक, राष्ट्रीय कार्यक्रम, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
4. डा0 सूर्यकान्त, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेस्पाइरेटरी मेडिसिन, के0जी0एम0यू0, लखनऊ।
5. डा0 डी0 हिमांशु, एडि0 प्रोफेसर, मेडिसिन, के0जी0एम0यू0।
6. डा0 विकासेन्दु अग्रवाल, स्टेट सर्विलान्स आफिसर, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
7. डा0 सुनील गुप्ता, वरिष्ठ परामर्शदाता,(मेडिसिन) बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ।
8. डा0 एन0बी0 सिंह, वरिष्ठ परामर्शदाता,(चेस्ट एंड टी0बी0) सिविल हॉस्पिटल, लखनऊ।
9. डा0 सन्तोष गुप्ता, राज्य क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
10. डा0 पंकज सक्सेना, संयुक्त निदेशक, संचारी रोग, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।

इस बैठक के प्रारम्भ में निदेशक, संचारी रोग द्वारा सभी प्रतिभागियों के स्वागतोपरान्त पारिस्परिक परिचय प्राप्त करते हुये अवगत कराया गया कि वर्तमान में कोरोना महामारी प्रदेश में अति तीव्रग्रति से पैर पसार रही है व इसके रोकथाम एवं उपचार हेतु विभिन्न दिशा–निर्देश व पद्धतियों के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। इसी सम्बन्ध में कोरोना रोग के संक्रमण से बचाव एवं उपचार में आईवरमेक्टिन की सहयोगी भूमिका के सम्बन्ध में उक्त बैठक आहूत की गयी है।

बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में डा0 सूर्यकान्त, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेस्पाइरेटरी मेडिसिन, के0जी0एम0यू0, लखनऊ ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कोविड–19 की भयावहता के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये बताया कि वर्तमान में 213 देशो में कोविड–19 के प्रसार से संक्रमित 1.5 करोड़ से अधिक लोगों एवं उसके कारण हुई लाखों मृत्यु के कारण स्थिति भयावह बनी है। वर्तमान में, देश में कोविड–19 संक्रमण के 18 लाख से अधिक मामले तथा लगभग 39 हजार मृत्यु होने से अब भारत का विश्व में कोरोना रैंकिंग में तीसरा स्थान हो गया है।

उनके द्वारा अवगत कराया कि आईवरमेक्टिन की खोज 1970 के दशक में जापानी वैज्ञानिक सतोशी ओमूरा द्वारा की गई। यह औषधि वायरस प्रोटीन के कोशिका के केन्द्रक में अन्दर जाने की प्रक्रिया को रोकती है, जिसके कारण वायरस के आर0एन0ए0 रैप्लीकेशन की प्रक्रिया बाधित होती है। वर्तमान महामारी में आईवरमेक्टिन के इस गुण के कारण औषधि शोध का प्रमुख विषय है तथा विभिन्न शोध पत्रिकाओं में इससे सम्बन्धित शोध पत्र प्रमुखता से प्रकाशित किये गये है व किये जा रहे है। डा0 सूर्यकान्त द्वारा विभिन्न शोध पत्रों के निष्कर्षों एवं सार से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। दक्षिण अमेरिका के डोमिनिकन रिपब्लिक देश में इस औषधि के प्रयोग के सम्बन्ध में किये गये शोध में आईवरमेक्टिन के प्रयोग से मृत्युदर तथा संक्रमण काल में कमी प्रदर्शित हुई है। इसी प्रकार पेरू देश में हुये शोध अध्ययन में आईवरमेक्टिन के प्रयोग से रोग के रोकथाम एवं उपचार में सफलता पायी गयी है। इसी तरह का शोध बांग्लादेश में भी हुआ

6/8/20

Scanned with CamScanner

है, जिसके परिणाम उत्साहवर्धक आये हैं। इसी से सम्बन्धित कई शोध अपने देश में भी किये जा रहे है, जिसमें एम्स दिल्ली, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, आर0डी0 गार्डी मेडिकल कालेज, उज्जैन व मैक्स हॉस्पिटल, नई दिल्ली के शोध प्रमुख है।

इस बैठक में अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक डा0 डी0 हिमांशु, एडि0 प्रोफेसर, मेडिसिन, के0जी0एम0यू0, लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया कि यह औषधि कोरोना के उपचार एवं बचाव दोनों में प्रयोग की जा रही है तथा इसके उत्साहवर्धक परिणाम सामने आये है। वर्तमान में कोविड–19 रोग से बचाव हेतु हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को प्रयोग किये जाने हेतु सुझाव दिया गया है, परन्तु कुछ प्रतिशत केसों में हृदय पर होने वाले दुष्प्रभाव के भय से चिकित्सकों द्वारा कम प्रयोग की जा रही है। पेरू तथा अन्य देशों में किये गये शोध के परिणामों के आलोक में प्रदेश में भी कोविड–19 से संक्रमण के बचाव एवं उपचार हेतु आईवरमेक्टिन का प्रयोग किया जाना उचित है।

स्टेट सर्विलॉन्स आफिसर डा0 विकासेन्दु अग्रवाल द्वारा औषधि आईवरमेक्टिन की मात्रा के सम्बन्ध में की गयी पृच्छा के क्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा अवगत कराया कि बचाव एवं उपचार हेतु 200µg./Kg Body Weight की दर से व्यस्क व्यक्ति में औसतन 12mg औषधि प्रदान की जानी चाहिये।

बलरामपुर चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डा0 सुनील गुप्ता द्वारा, आईवरमेक्टिन औषधि के साथ हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन व एज़िथ्रोमाइसिन के प्रयोग से संक्रमण के सफलतापूर्वक उपचार के सम्बन्ध में किये गये शोध से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया, जिसके उपरान्त प्रतिभागियों के मध्य विभिन्न शोध पत्रों में प्रकाशित बचाव एवं उपचार हेतु प्रयोग किये गये शेड्यूल्स पर गहन विचार–विमर्श व चर्चा हुई, जिसके उपरान्त विशेषज्ञ चिकित्सकों के मध्य हुई चर्चा के अनुसार संक्रमण से बचाव एवं उपचार हेतु निम्न सहमति बनी:–

1. Prophylaxis in contacts:- कोविड–19 पुष्ट रोगी के सम्पर्क में आये व्यक्तियों (Contacts) में रोग के सम्भावित संक्रमण से बचाव हेतु 200µg./Kg Body Weight की दर से रोग पुष्ट होने अथवा सम्पर्क में आये व्यक्ति के चिन्हित किये जाने के पहले व सातवें दिन, रात्रि भोजन के 02 घण्टे उपरान्त वयस्क व्यक्ति में औसतन 12mg. औषधि प्रदान की जानी चाहिए।
2. For prophylaxis in health care workers:- कोविड–19 के उपचार एवं नियंत्रण में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों में संक्रमण से बचाव हेतु 200µg./Kg Body Weight की दर से कोविड सम्बन्धी कार्य प्रारम्भ करने के पहले, सातवें व 30 वें दिन तथा आवृत्ति क्रम में प्रति माह एक बार Ivermectin प्रयोग की जानी चाहिए।
3. For treatment of Covid Positive:- उपचार हेतु कोविड–19 Asymptomatic व Mild Symptomatic पुष्ट रोगियों में आईवरमेक्टिन को 200µg./Kg Body Weight पर प्रथम 03 दिन तक रात्रि में एक बार भोजन के 02 घण्टे उपरान्त व्यस्क व्यक्ति में औसतन 12mg. (शरीर का वजन 80 किलो ग्राम से अधिक होने की स्थिति में 18 mg.) औषधि प्रदान की जानी चाहिए।

निदेशक, संचारी रोग द्वारा आईवरमेक्टिन औषधि के दुष्प्रभावों के सन्दर्भ में विषय विशेषज्ञों द्वारा अवगत कराया गया कि इस औषधि के पेट सम्बन्धी मामूली दुष्प्रभाव होते हैं तथा 10 गुनी मात्रा (2000µg./Kg Body Weight) तक की खुराक पर भी केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र (CNS) दुष्प्रभाव भी नगण्य हैं। आईवरमेक्टिन को 02 वर्ष से कम आयु के शिशुओं/गर्भवती व धात्री माताओं (Pregnant & Lactating Mother) को प्रदान नहीं किया जाना चाहिये।

Scanned with CamScanner

विशेषज्ञों के मध्य हुई चर्चा के उपरान्त बनी सहमति के अनुसार कोविड–19 के उपचार में एज़िथ्रोमाइसिन के स्थान पर डॉक्सीसाइक्लिन को भी प्रयोग किया जाना चाहिये। उपचार हेतु डॉक्सीसाइक्लिन को दिन में दो बार दस दिनों तक प्रयोगित किया जाना चाहिये तथा 12 वर्ष कम आयु वर्ग में प्रयोगित नहीं किया जाना चाहिए।

बैठक में उपस्थित अन्य विशेषज्ञों तथा अध्यक्ष महोदय द्वारा भी उपरोक्तानुसार प्रस्तावित शेड्यूल्स पर अपनी सहमति व्यक्त की गई। इस प्रकार विशेषज्ञो की बैठक में आईवरमेक्टिन के प्रति सहमति अनुसार कोविड–19 के संक्रमण के उपचार एवं बचाव में आईवरमेक्टिन औषधि को प्रयोग किया जाना चाहिये।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

प्रतिभागियों के नाम एवं पदनाम	हस्ताक्षर
डा0 पंकज सक्सेना, संयुक्त निदेशक, संचारी रोग, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।	
डा0 सन्तोष गुप्ता, राज्य क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।	
डा0 एन0बी0 सिंह, वरिष्ठ परामर्शदाता, (चेस्ट एंड टी0बी0) सिविल हॉस्पिटल, लखनऊ।	
डा0 सुनील गुप्ता, वरिष्ठ परामर्शदाता, (मेडिसिन) बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ।	
डा0 विकासेन्दु अग्रवाल, स्टेट सर्विलान्स आफिसर, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।	
डा0 डी0 हिमांशु, एडि0 प्रोफेसर, मेडिसिन, के0जी0एम0यू0।	
डा0 सूर्यकान्त, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेस्पाइरेटरी मेडिसिन, के0जी0एम0यू0, लखनऊ।	
डा0 पी0के0 बंसल, निदेशक, राष्ट्रीय कार्यक्रम, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।	
डा0 ज्योत्सना पन्त, निदेशक (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।	
डा0 राजेन्द्र कपूर, निदेशक, संचारी रोग/वी0बी0डी0, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।	

(डी0एस0 नेगी)
महानिदेशक

Scanned with CamSc